भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 447 का उत्तर

आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाएं

***447. श्री पुट्टा महेश कुमार:**
श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विशेषकर एलुरु जिले सहित आंध्र प्रदेश में प्रस्तावित, निर्माणाधीन रेल परियोजनाओं का ब्यौरा तथा वर्तमान में उनकी स्थिति क्या है;

(ख) विशेषकर एलुरु जिले सहित आंध्र प्रदेश में परियोजनावार आवंटित, संस्वीकृत तथा उपयोग की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेषकर एलुरु जिले सहित आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा, यदि कोई हो, का परियोजनावार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की विशेषकर एलुरु जिले सहित आंध्र प्रदेश में कोई नई रेल लाइनें बिछाने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने आंध्र प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं के संबंध में कोई जागरूकता/प्रचार अभियान चलाया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 02.04.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 447 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं को राज्य-वार/जिला-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पूर्व तट रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 73,743 करोड़ रु. की लागत की 5,329 कि.मी. कुल लंबाई वाली 41 रेल परियोजनाएं (17 नई लाइनें और 24 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के चरण में है, जिनमें से मार्च, 2024 तक 1,006 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 24,150 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है।

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2024 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	17	1935	184	5530
दोहरीकरण	24	3394	822	18620
कुल	41	5329	1006	24150

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वर्ष 2024-25 में एलुरु जिले सहित आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली कुल 6764 किलोमीटर लंबाई को कवर करने वाले 65 सर्वेक्षण (13 नई लाइन और 52 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

विजयवाड़ा-दुव्वाडा तीसरी लाइन (335 कि.मी.) जो एलुरु जिले से होकर गुजरती है, का सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

2014 से, भारतीय रेल में परियोजनाओं के लिए निधि आवंटन और तदनुरूप कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि की गई है। आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

वर्ष	बजट परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत वार्षिक आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-2014	886 करोड़ रु. प्रतिवर्ष (तेलंगाना सहित)	-
2025-2026	9,417 करोड़ रु.	10 गुना से अधिक

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं की कमीशनिंग से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	वर्ष 2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग की तुलना में परिवर्तन
2009-14	363 कि.मी.	72.6 कि.मी. प्रतिवर्ष (तेलंगाना सहित)	-
2014-24	1,510 कि.मी.	151 कि.मी. प्रतिवर्ष	2 गुना से अधिक

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना/निष्पादन राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

क्षेत्रीय रेलों और भारतीय रेल के सोशल मीडिया हैंडलों पर समय-समय पर विभिन्न रेल परियोजनाओं से संबंधित सूचनात्मक पोस्ट जारी किए जाते हैं।

****